श्री गोकुलेशो जयति ।

कविमण्डल ।

की समस्यापूर्ति ।

पहिला अधिवेशन ।

मिती श्रावण सुदी ८ सम्बत १९५३ ।

गोकुल के नाथ नेक मेरो हाथ गहिये ।

गोकुलनरेशगोस्वामी श्री १०८ महाराज कन्हैयालाल जी ।

नाथन के नाथ सो अनाथनाथ ब्रजनाथ बाम कर महिमा सो वेदन में कहिये । बाम कर दावानल पूतना पछारि कंस रिपु दल जीतिवे की ऐसी टेव रहिये । बाम कर गज कों उबार औ अनेक काम दन्तहू उखार बात साँची लख लहिये । गोवर्धन धारि कर भोजन हजार हाथ गोकुल के नाथ नेक मेरो हाथ गहिये ॥ १ ॥

बाबू रामकृष्णवर्मा संपादक भारतजीवन काशी ।

पाँचो पति मौन ह्वै रहे हैं या सभा के